सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 81 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025

मूल्य ₹ 3/-

मौन सबसे सशक्त भाषण है। धीरे-धीरे दुनिया आपको सुनेगी।

-महात्मा गांधी

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने... 7 | भाजपा के सामने से निकली सजी... 3 | केंद्र सरकार ने पहले सबक लिया... 2

राहुल कश्मीर पहुंचे और पीएम मोदी बिहार में

क्या सरकार को चिंता नहीं कश्मीर की!

» नेता प्रतिपक्ष ने श्रीनगर में घायलों का जाना हाल

» सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी के न पहुंचने पर कांग्रेस नाराज

देश जल रहा है पीएम मोदी चुनावी रथ पर सवार हैं : खरगे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी की राष्ट्रवादी पालिटिक्स की आंख में आंख डालकर उसके बरअक्स एक लकीर खींचने की कोशिशों में लगे राहुल गांधी कश्मीर के दौरे पर वहां पहुंचे हैं। राहुल की यह यात्रा दो राजनीतिक दृष्टिकोणों का टकराहट है। राहुल गांधी कश्मीर की धरती पर हमले में घायल लोगों के ज़ख्मों पर मरहम लगाने पहुँचे, तो पीएम मोदी ने बिहार के मधुबनी से विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका। राहुल गांधी एक नैरेटिव सेट कर रहे हैं और वह नैरेटिव है जहां सरकार नहीं वहां हम।

गांधी हमले के बाद बृहस्पतिवार को बुलाई गई कांग्रेस कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिका की अपनी यात्रा बीच में ही छोड़ कर स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने इस भयानक आतंकवादी हमले के बारे में सभी दलों को जानकारी देने के लिए सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भी भाग लिया। आपको बता दें सरकार ने भारत में पाकिस्तानी नागरिकों के सभी वीजा रद्द कर दिए, जिनमें मेडिकल वीजा भी शामिल है, जो रविवार से लागू होंगे। इस्लामाबाद ने बदले की कार्रवाई करते हुए दोनों देशों के बीच सभी समझौतों को निलंबित करने की धमकी दी, जिसमें 1972 का शिमला समझौता भी शामिल है, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में नियंत्रण रेखा को वैध बनाता है। पाकिस्तान ने यह भी घोषणा की कि वह उच्चायोग में भारतीय राजनयिक कर्मचारियों की संख्या कम करेगा।

सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचे मोदी

घटना के बाद सरकार ने देश के सभी बड़े राजनीतिक दलों के साथ सर्वदलीय बैठक की। बैठक में दूसरे दलों के नेता तो पहुंचे लेकिन पीएम मोदी गैरमौजूद रहे। पीएम मोदी के न पहुंचने से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खासे नाराज दिखे और उन्होंने कहा कि देश जल रहा है और प्रधानमंत्री चुनावी रथ पर सवार हैं। पीएम को इस बैठक में अवश्य होना चाहिए था।

विपक्ष का साथ मिलते ही आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज, घर को आईईडी से उड़ाया गया

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का साथ मिलने के बाद सरकार ने आतंकियों के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। इसी क्रम में पहलगाम हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों आदिल थोकर और आसिफ शेख के घर गुरुवार रात क्रमशः अनंतनाग और अवंतीपोरा में हुए एक विस्फोट में नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा

बल दो लश्कर आतंकवादियों आदिल हुसैन थोकर और आसिफ शेख के घरों के अंदर तलाशी ले रहे थे, जब घरों के अंदर पहले से रखे विस्फोटकों में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि विस्फोटकों के कारण घर नष्ट हो गए। 2018 में अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से कानूनी रूप से पाकिस्तान की यात्रा करने वाले थोकर ने कथित तौर पर पिछले साल जम्मू और कश्मीर में गुप्त रूप से लौटने से पहले आतंकवादी प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण

बिहार जैसे राज्यों में जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण हमेशा से राजनीति करने वालों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। कश्मीर के हमले को हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर भाजपा यह नैरेटिव गढ़ने में कामयाब हो जाती है कि हमले सिर्फ इसलिए हो रहे हैं कि पूर्व में कांग्रेस का रूख आतंकवाद पर मुलायम रहा है । यदि ऐसा हो जाता है तो सीमांचल जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में इसका असर जरूर पड़ेगा।

श्रीनगर पहुंचे आर्मी चीफ, कमांडर्स दे रहे आतंकवाद के खिलाफ एक्शन की जानकारी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आने के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए पड़ोसी देश पर कई प्रहार किए हैं। जिसमें सिंधु नदी समझौता स्थगित करना भी शामिल है. इस मुद्दे पर शुक्र वार को गृह मंत्री अमित शाह अपने आवास पर एक बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल समेत कई सीनियर केंद्रीय मंत्री शामिल हो सकते हैं। इस बीच, भारत ने पाकिस्तान को औपचारिक पत्र लिखकर सिंधु जल संधि को निलंबित करने की सूचना दे दी है। वहीं सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी आज श्रीनगर पहुंच गए हैं। वह 15 कोर में सुरक्षा बैठक की समीक्षा करेंगे. इसके साथ ही वह आतंकी हमले वाली जगह पर भी जाएंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से की मुलाकात

अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए शुक्रवार को कश्मीर पहुंचे। कांग्रेस के एक नेता ने यह जानकारी दी। विपक्ष ने पहलगाम हत्याकांड की निंदा करते हुए किसी भी कार्रवाई के लिए सरकार का पूरा समर्थन किया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और पाकिस्तान के साथ सबसे खराब टकराव हुआ। पार्टी के नेता ने कहा कि 22 अप्रैल को हुए हमले में घायललोगों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए राहुल यहां बादामीबाग छावनी में सेना के बेस अस्पताल का दौरा कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने पहले सबक लिया होता घटना रोकी जा सकती थी : अखिलेश

» सपा मुखिया बोले- सुरक्षा के मामले में एनडीए सरकार के साथ, राजनीति न करे भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुखद है। इस मुद्दे पर हम सरकार के साथ हैं। केंद्र की सरकार को आतंकियों की इस हरकत पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा इस हमले से पल्ला नहीं झाड़ सकती है। अगर पहले सबक लिया गया होता इस तरह की घटना रोकी जा सकती थी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता है उनका मकसद केवल दहशत फैलाना होता है। पूरे देश में गुस्सा है।

सपा सर्वदलीय बैठक में शामिल होगी और अपना पक्ष रखेगी। सपा की तरफ से बैठक में पार्टी महासचिव रामगोपाल यादव शामिल होंगे। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रेपोगैंडा पर खर्च होने वाला पैसा देश की सुरक्षा पर खर्च करे। किसी भी दल को ऐसी घटनाओं का राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए।

अखिलेश ने कहा कि अग्निवीर योजना को लेकर मैं फिर से दोहरा रहा हूं कि देश के युवा इसके पक्ष में नहीं हैं। पक्की नौकरी दी जानी चाहिए। इसमें बजट का ध्यान रखा जाना चाहिए। सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ जो पांच फैसले लिए हैं। हम उसका समर्थन करते हैं। सरकार को इससे भी ज्यादा कठोर फैसले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दुखद समय में भी भाजपा के लोग एनीमेटेड पोस्टर बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। एयरलाइंस से जुड़े हुए लोग भी इस घटना का लाभ ले रहे हैं और टिकट महंगे कर दिए गए हैं। ये लोग आपदा में भी अवसर खोज रहे हैं। हम यही चाहते हैं कि आतंकवाद जड़ से खत्म हो जाए। हमें नोटबंदी और अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद भी यही उम्मीद थी।

खुफिया तंत्र हुआ नाकाम

अखिलेश यादव ने कहा कि सुरक्षा के मामले में पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। यह खुफिया तंत्र की नाकामी है। पहले हुई घटनाओं से सबक क्यों नहीं लिया गया।

बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए निर्णायक कार्रवाई की मांग की। बैठक में विपक्षी सांसदों ने सुरक्षा चूक का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सरकार को आश्वासन दिया कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ हैं। सर्वदलीय बैठक के एक दिन पहले सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदमों की घोषणा की थी। सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला बुधवार को लिया गया था और राजनाथ एवं शाह ने विभिन्न दलों के नेताओं से संपर्क किया।

4 साल के लिए कोई जान की बाजी नहीं लगाएगा : रंधावा

» अग्निवीर योजना पर कांग्रेस प्रभारी ने उठाया सवालिया निशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। हाल ही में देश में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 1971 की तर्ज पर निर्णायक कदम उठाने की सलाह दी है।

रंधावा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब सिर्फ बाघा बॉर्डर बंद करने से कुछ नहीं होगा। पाकिस्तान अब तक 10 बार हमले कर चुका है। हमें अब उसे मुंहतोड़ जवाब देना होगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 1971 में पूरे विश्व को इस बात पर राजी किया था कि पाकिस्तान के दो टुकड़े करना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज वही वक्त फिर आ गया है।

एजेंसियों का उपयोग देश को बचाने के लिए करें

केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों का उपयोग बीजेपी को बचाने के लिए नहीं बल्कि देश को बचाने के लिए करें। बीजेपी बच जाएगी, देश बचना चाहिए। भारतीय सेना में लागू की गई अग्निवीर योजना को भी कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं के भविष्य और देश की सुरक्षा दोनों के लिए हानिकारक है। कोई भी नौजवान सिर्फ चार साल के लिए अपनी जान की बाजी नहीं लगाएगा उन्होंने कहा। उन्होंने मांग की कि रेगुलर सेना भर्ती को फिर से शुरू किया जाए ताकि सेना को पूर्ण मनोबल और समर्पण के साथ जवान मिल सकें।

हनुमान बेनीवाल ने बढ़ाई राजस्थान सरकार की टेंशन

» एसआई भर्ती और पेपर लीक मामले में 26 से आंदोलन का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में भजनलाल सरकार के लिए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल नया फ्रंट खोलते नजर आ रहे हैं। हनुमान बेनीवाल ने 26 अप्रैल से प्रदेश भर में आंदोलन की चेतावनी जारी कर दी है। नागौर सांसद बेनीवाल ने कहा है कि राजस्थान में एसआई भर्ती और पेपर लीक मामले में आरएलपी बड़ा आंदोलन करेगी।

अब तक भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री इन दोनों मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ बगावत कर रहे थे लेकिन नाराजगी का विरोध दर्ज करवाने के अलावा किरोड़ी ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और पार्टी के प्रभाव में शांत बैठ गए लेकिन अब हनुमान बेनीवाल इस मुद्दे पर सक्रिय हो गए हैं। आंदोलन की टाइमिंग को लेकर हनुमान का यूं एकाएक सक्रिय होना कई सवाल खड़े कर रहा है। दरअसल कांग्रेस भी 28 से ईडी की कार्रवाई को लेकर राजस्थान सहित देश भर में आंदोलन करने का ऐलान कर चुकी है। ऐसे में प्रदेश का सियासी पारा पहले से ही गर्म है। इसलिए हनुमान बेनीवाल के लिए भी सियासी तौर पर यह टाइमिंग उपयुक्त है।

कांग्रेस भी आरपार के मूड में

इधर जयपुर में कांग्रेस ने भी संविधान बचाओ रैली को लेकर राजस्थान में आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 28 को जयपुर में रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद मई में राजस्थान में अलग-अलग विधानसभाओं में कांग्रेस अपने आंदोलन शुरू करेगी।

पाक को मुंह तोड़ जवाब दें पीएम : विक्रमादित्य

» हिमाचल के मंत्री बोले- हम सब साथ हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि धर्म पूछ कर निहत्थों को मारना युद्ध से कम नहीं है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। हम इस मामले में साथ हैं। इधर, पहलगाम में सैलानियों पर किए गए कायराना आतंकी हमले की ऑल हिमाचल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने कड़ी निंदा की है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र चंद ठाकुर ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति हिमाचल के पर्यटन कारोबारियों की ओर से संवदेनाएं व्यक्त की सर्व देवता सेवा समिति मंडी ने पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। समिति का कहना है कि घूमने आए पर्यटकों पर जिस तरह से गोलियां चलाई गईं, वहा निंदनीय है। देव समाज इस का कड़ा विरोध करता है। देवता समिति ने केंद्र सरकार से अपील की है कि आतंकियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की वारदात न हो।

हमले का भाजपा देगी कड़ा जवाब : बिलाल शाह

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बिलाल शाह ने कहा कि आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिस प्रकार से इस घटना को अंजाम दिया गया है। इससे स्पष्ट नजर आ रहा है की अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को जम्मू-कश्मीर फलता-फूलता अच्छा नहीं दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर में व्यापार बढ़ रहा था और पर्यटक भी बढ़ रहा था। शायद यह आतंकवादियों से हजम नहीं हुआ। यह सोच केवल मात्र अंतरराष्ट्रीय वामपंथियों की हो सकती है और इस सोच को भाजपा का नेतृत्व कड़ा जवाब देगा।

पहलगाम घटना के लिए केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेवार : नेगी

राजस्व और बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने पहलगाम आतंकी घटना पर शोक जताते हुए कहा है कि भाषणों से अब बात नहीं बनेगी, मोदी सरकार को एक्शन दिखाना चाहिए। केंद्र की भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण पहलगाम घटना हुई है। एक हफ्ते पहले केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा का जायजा लिया था और दूसरे ही हफ्ते पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछ पूछ कर लोगों की हत्या कर दी। इन हत्याओं के लिए केंद्र सरकार ने किसी की जिम्मेवारी तय नहीं की है।

आतंकी हमला एकता और अखंडता पर हमला : नरेश

मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने पहलगाम में आतंकियों की ओर की गई 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना के कारण पूरे देश में भय और दुख का माहौल है और ऐसी भयावह स्थिति को देखते हुए हिमाचल प्रदेश में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। चौहान ने कहा कि पिछले दो सालों तक कश्मीर में पर्यटन गतिविधियां व्यापक स्तर पर थीं और एक आंकड़े के अनुसार वहां पर्यटकों के आने की संख्या 2.33 करोड़ रुपये रही, लेकिन इस घटना से कश्मीर में पर्यटन को गहरा धक्का लगा है।

राजनीतिक प्रतिशोध ले रही भाजपा : अशोक गहलोत

» महेश जोशी की गिरफ्तारी पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गहलोत ने एक ट्वीट में कहा कि ईडी अब भाजपा का एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट बन चुकी है और पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी इसका ताजा उदाहरण है।

गहलोत ने कहा कि यह गिरफ्तारी ऐसे समय की गई है जब महेश जोशी की पत्नी पिछले 15 दिनों से जयपुर के एक अस्पताल में बेहोशी की हालत में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। जोशी ने पहले ही इच्छा जताई थी कि वह इस कठिन समय के बाद ईडी के सामने बयान देंगे। गहलोत ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए कहा कि यह उन्हें भावनात्मक रूप से तोड़ने की कोशिश है, ताकि ईडी उनसे मनमुताबिक बयान ले सके। इस पूरे घटनाक्रम से राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर गर्मी आ गई है और विपक्षी दलों द्वारा केंद्र की एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा जोर पकड़ रहा है।

भाजपा के सामने से निकली सजी हुई थाली!

तमिलनाडु में एआईडीएमके व बीजेपी गठबंधन में फंसा पेंच

- अन्नाद्रमुक के नेता पलानीस्वामी के बयान से घबराई भाजपा
- पलानी स्वामी ने कहा- एआईएडीएमके और बीजेपी का साथ सिर्फ चुनाव के लिए
- दूसरी प्रमुख पार्टी पीएमके ने भी भाजपा को डराया

पार्टी का गठबंधन सरकार से परहेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अभी तो थाली सजाई ही थी खाना परोसा जाना था मेहमान खुश था पर कौर के मुंह के करीब आने से पहले मेजबान ने आगे से थाली हटा लिया। कुछ इसी तरह का हाल हुआ तमिलनाडु में भाजपा के साथ। जहां अन्नाद्रमुक (एआईडीएमके) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन पर नया टिवस्ट आ गया है। पिछले हफ्ते दोनों पार्टियों ने 2026 के तमिलनाडु चुनाव के लिए हाथ मिलाया था। लेकिन अन्नाद्रमुक के नेता ईके पलानीस्वामी के हालिया बयान से गठबंधन में दरार आती दिख रही है।

पलानीस्वामी का कहना है कि एआईएडीएमके और बीजेपी का साथ सिर्फ चुनाव के लिए है और वे गठबंधन सरकार नहीं बनाएंगे। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल है और बीजेपी की प्रतिक्रिया का इंतजार है। उधर बीजेपी ने इस गठबंधन के लिए अपने सबसे मुखर अध्यक्ष अन्नामलाई को भी हटा दिया था। अमित शाह से मांगा था समय बताया जाता है कि अमित शाह के तमिलनाडु दौरे के दौरान पलानीस्वामी, ओ. पनीरसेल्वम, टीटीवी दिनाकरण और अंबुमणि रामदास ने मिलने का वक्त मांगा था। फूंक-फूंककर कदम रख रही बीजेपी ने दोनों पक्षों के बीच कोई औपचारिक बैठक नहीं करने के संकेत दिए हैं। पर्दे के पीछे गठबंधन पर सहमति बनने के बाद ही बीजेपी खुलकर सामने आएगी। फिलहाल पीएमके में बदले घटनाक्रम से तमिलनाडु की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। एनडीए का भविष्य बीजेपी और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन पर टिक गया है।

एआईएडीएमके प्रमुख ईके पलानीस्वामी के बयानों से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी गठबंधन सरकार स्वीकार नहीं करेगी। उनका कहना है कि बीजेपी के साथ गठबंधन सिर्फ चुनाव के लिए है। पलानास्वामी का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के विपरीत है। अमित शाह ने पिछले हफ्ते एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन की घोषणा करते हुए कहा था कि दोनों पार्टियां एक साथ और एनडीए के तहत चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा था कि फैसला किया है किएआईएडीएमके, बीजेपी और सभी सहयोगी पार्टियां तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के रूप में एक साथ लड़ेंगी।

पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई के एआईएडीएमके के पुराने नेताओं पर हमले से मची थी रार

बीजेपी का एआईएडीएमके के साथ पहले का गठबंधन टूट गया था। उस समय बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने एआईएडीएमके के पुराने नेताओं पर हमला किया था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्रियों जे जयललिता और एमजी रामचंद्रन की आलोचना की थी। इससे एआईएडीएमके नाराज हो गई और उन्होंने अन्नामलाई के इस्तीफे की मांग की। लेकिन बीजेपी ने उनकी मांग को नहीं माना। अटकलें लगाई जा रही थीं कि बीजेपी एआईएडीएमके में फूट डालना चाहती है ताकि वह तमिलनाडु में अपनी पकड़ बना सके। हालांकि गठबंधन को फिर से शुरू करने के साथ-साथ बीजेपी ने अन्नामलाई को हटा दिया और उनकी जगह एक पूर्व एआईएडीएमके नेता नैनार नागेंद्रन को नियुक्त किया। इसे एक अच्छा कदम माना जा रहा है।

बीजेपी से रिश्ते के कारण बाप-बेटे में मतभेद

पीएमके नेताओं का कहना है कि पार्टी में मतभेद की जड़ पीढ़ीगत और रणनीतिक असहमति है। बताया जा रहा है कि पिता और पुत्र में वैचारिक मतभेद के कारण पीएमके में हलचल मची है। अंबुमणि रामदास पिछले दिनों अमित शाह से काफी करीब जा चुके थे, जो सीनियर रामदास को पसंद नहीं है। एस. रामदास तमिलनाडु में एनडीए के बजाय एआईएडीएमके के साथ चुनाव लड़ना चाहते हैं, मगर बीजेपी से दूरी बनाकर रखने की कोशिश करेंगे। बताया जाता है कि रामदास की फैमिली में कलह तब शुरू हुआ, जब सीनियर रामदास अपने नाती परशुरामन मुकुंदन को पीएमके की यूथ विंग का प्रमुख बनाने का प्रस्ताव रखा। परशुरामन रामदास की बड़ी बेटी गांधीमती के बेटे हैं।

बीजेपी ने साधी चुप्पी

पलानीस्वामी के ताजा बयान पर बीजेपी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन ऐसा लगता नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी इससे खुश होगी। प्रधानमंत्री ने एआईएडीएमके के एनडीए में शामिल होने के फैसले पर खुशी जताई थी और कहा था कि एक साथ मजबूत...। अब देखना यह है कि एआईएडीएमके और बीजेपी के बीच गठबंधन आगे कैसे बढ़ता है। क्या दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी या नहीं? यह तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

पीएमके का साथ बीजेपी को कैसे मिलेगा?

अंबुमणि रामदास ने पिता के इस फैसले का विरोध किया। इसके अलावा उन्होंने एआईएडीएमके के बजाय बीजेपी के साथ जाने की वकालत शुरू कर दी। इसके बाद एस रामदास ने बेटे को अध्यक्ष पद से बेदखल करने का फैसला किया। अगर बीजेपी के लिए नई चुनौती सामने आ गई है। लोकसभा चुनाव में अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाले पीएमके ने एनडीए का साथ दिया था। अब अगर तमिलनाडु में उसका एआईएडीएमके से गठबंधन नहीं होता है तो पीएमके जैसा मजबूत पार्टनर भी छिटक जाएगा।

बीजेपी और संघ के नेताओं से मिले शाह

हालांकि बीजेपी और संघ के कई नेताओं का कहना है कि शाह का दौरा अन्नामलाई के उत्तराधिकारी को चुनने से जुड़ा नहीं था। यह पार्टी की राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा है। बीजेपी सभी चुनावी राज्यों बिहार, बंगाल और तमिलनाडु में एक साल पहले से ही अपनी राज्य इकाइयों को तैयार कर रही है। अमित शाह के दौरे से पहले पीएमके नेतृत्व में बदलाव ने लोगों को चौंका दिया है। एनडीए में शामिल पीएमके की राजनीति वन्नियार समुदाय के आसपास घूमती है। नॉर्थ तमिलनाडु और राज्य के कुछ पश्चिमी हिस्सों में वन्नियार समुदाय के वोटरों की अच्छी खासी तादाद है।

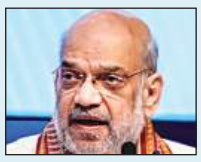

गठबंधन में दरार की वजह? भाजपा का पुराना प्रदर्शन

एआईएडीएमके के कुछ नेता बीजेपी के साथ गठबंधन से खुश नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि पिछली तीन बड़ी चुनावों में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2021 में एआईएडीएमके ने बीजेपी के साथ मिलकर 75 सीटें जीतीं, जो कि पिछले चुनाव से 136 सीटें कम थीं। डीएमके और कांग्रेस ने उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। 2019 और 2024 के आम चुनावों में भी एआईएडीएमके का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने क्रमशः 20 और 34 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ एक सीट जीती। BJP ने इन दो चुनावों में 28 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे एक भी सीट नहीं मिली।

चुनावी समीकरण से एआईएडीएमके को चुनौती

इसके विपरीत डीएमके ने इन दो चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 24 और 22 सीटें जीतीं। इससे पता चलता है कि एआईएडीएमके के सामने कितनी बड़ी चुनौती है। 2024 के चुनाव में एआईएडीएमके का प्रदर्शन खराब रहा, लेकिन वोट शेयर में 7.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके बाद भाजपा ने अपने विकल्पों पर फिर से विचार किया। तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा है। इन पार्टियों की जड़ें द्रविड़ विचारधारा में हैं। कांग्रेस और बीजेपी कभी भी राज्य में अपनी पकड़ नहीं बना पाईं। इसलिए उनके गठबंधन राज्य में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

2026 में भी यहां द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि 2026 में राज्य द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी। तमिलनाडु हमेशा दिल्ली के नियंत्रण से बाहर रहता है। उन्होंने कहा कि अमित शाह का कोई भी फॉर्मूला तमिलनाडु में काम नहीं करेगा। इससे पहले एम के स्टालिन ने राज्य की स्वायत्तता पर उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने की मंगलवार को घोषणा करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा राज्यों के अधिकारों को धीरे-धीरे छीना जा रहा है। स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में बयान देते हुए कहा कि उच्च स्तरीय समिति की स्थापना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के उस 'ऐतिहासिक' राज्य स्वायत्तता प्रस्ताव के आधी सदी पूरे होने के अवसर पर की गई, जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने तमिलनाडु विधानसभा में पेश किया था।

पीएमके को लेकर भी भाजपा में घमासान

तमिलनाडु में बीजेपी की दूसरे सबसे भरोसेमंद पार्टनर पीएमके विधानसभा चुनाव के दौरान एनडीए में रहेगा या नहीं, यह एआईएडीएमके के साथ होने वाले गठबंधन पर टिक गया है। पीएमके के नेता एस. रामदास ने अपने बेटे अंबुमणि रामदास को अध्यक्ष पद से हटाकर संकेत दिया है कि वह बीजेपी के बजाय एआईएडीएमके साथ रहना चाहते हैं। अमित शाह के तमिलनाडु दौरे से पहले एनडीए शामिल पक्कक्काली मक्कल कच्ची (पीएमके) में एक बड़ा उलटफेर हो गया। पीएमके के संस्थापक एस. रामदास ने अपने बेटे अंबुमणि रामदास को पार्टी अध्यक्ष पद से हटा दिया और खुद बागडोर संभाल ली। 85 साल के एस. रामदास ने कहा कि वह 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का पूरा नियंत्रण वापस लेंगे। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। यह सब तक हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने वहां बीजेपी के नेताओं के साथ आरएसएस विचारक एस. गुरुमूर्ति से मुलाकात की। शाह का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब बीजेपी और एआईएडीएमके के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नैनार नागेंद्रन को आगे माना जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

न्याय में देरी भी अन्याय की तरह ही है!

न्याय न मिलना, न्याय में देरी भी बदतर होता है। ऐसी टिप्पणी करके सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को फटकार लगाई है। दरअसल झारखंड हाई कोर्ट 3 साल से फैसला अटका कर बैठा था। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उसे नोटिस भी जारी कर दिया है। ये निर्देश वाकई एक उम्दा निर्णय है। अब निचली अदालतों को ध्यान देना होगा उनके यहां पहुंचे मुकदमों को वह देर तक न लटकाएं। यथा संभव होसके उसमें फैसला देकर मामले को निपटाएं। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को एक सीलबंद रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया, जिसमें उन मामलों का ब्यौरा हो, जिनमें निर्णय सुरक्षित रखे गए थे, लेकिन दो महीने से अधिक समय तक निर्णय नहीं सुनाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में सुरक्षित अपीलों पर फैसला सुनाने में देरी के संबंध में झारखंड उच्च न्यायालय से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

यह आदेश चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की याचिका के बाद जारी किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील का समाधान नहीं हुआ है। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को एक सीलबंद रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया, जिसमें उन मामलों का ब्यौरा हो, जिनमें निर्णय सुरक्षित रखे गए थे, लेकिन दो महीने से अधिक समय तक निर्णय नहीं सुनाए गए। अधिवक्ता फौजिया शकील द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए याचिकाकर्ताओं- पिला पाहन, सोमा बदांग, सत्यनारायण साहू और धर्मेश ओरांव ने तर्क दिया कि उन्हें 11 से 16 साल तक की अवधि के लिए जेल में रखा गया था। उन पर हत्या और बलात्कार के आरोप हैं, जिनमें से प्रत्येक वर्तमान में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित दोषियों ने कहा कि उनकी अपील पर सुनवाई हुई और 2022 में झारखंड उच्च न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया, फिर भी कोई फैसला नहीं सुनाया गया। याचिका में देरी के व्यापक निहितार्थों पर भी प्रकाश डाला गया और कहा गया कि चार याचिकाकर्ताओं के अलावा, दस अन्य दोषी इसी तरह की स्थिति में फंसे हुए हैं, और उनके फैसले लगभग तीन साल से लंबित हैं। जवाब में, सुप्रीम कोर्ट ने भी दोषियों द्वारा दायर जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया है और मामले के बारे में झारखंड राज्य सरकार का दृष्टिकोण मांगा है। बता ये पहली बार नहीं हो रहा हे जब सबसे बड़ी अदालत ने अपने अधीनस्थ कोर्ट को फटकार लगाई है। इससे पहले भी कई मामलों में ऐसे निर्देश वो दे चुका है। इसबार जरूर निचली अदालतें ध्यान देंगी।

“ पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को एक सीलबंद रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया, जिसमें उन मामलों का ब्यौरा हो, जिनमें निर्णय सुरक्षित रखे गए थे, लेकिन दो महीने से अधिक समय तक निर्णय नहीं सुनाए गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पारग्रही जीवन के संकेतों की तलाश में बड़ा कदम

डॉ. शशांक द्विवेदी

काफी समय से यह सवाल उठता रहा है कि क्या पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड के किसी दूसरे ग्रह पर जीवन मौजूद है? क्या किसी ग्रह पर एलियंस की मौजूदगी है-एलियंस का घर है? इन सवालों का जवाब जानने और नए-नए ग्रहों की खोज करने में हजारों वैज्ञानिक दिन-रात जुटे हुए हैं। मगर अब एक भारतीय वैज्ञानिक को अपनी खोज में ऐसी सफलता हाथ लगी है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन ने एक ऐसी खोज की है, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित है। आईआईटी -बीएचयू और एमआईटी से पढ़े इस वैज्ञानिक ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपनी टीम के साथ जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक खास ग्रह के2-18बी (च2-18ङ्ख) को देखा-परखा। डॉ. मधुसूदन की खोज में इस ग्रह पर जीवन के पुख्ता संकेत मिले हैं।

इनमें डाइमिथाइल सल्फाइड (डीएमएस) नाम का एक खास अणु मिला है जो पृथ्वी पर सिर्फ जीव बनाते हैं- जैसे समुद्री पौधे। वहां मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं, जो बताती हैं कि ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है- यानी ऐसा ग्रह, जहां ढेर सारा पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण हो, जो जीवन के लिए उपयुक्त हो सकता है। डॉ. मधुसूदन ने ही सबसे पहले हाइसीन ग्रहों की बात दुनिया को बताई थी। उनकी खोज 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में छपी है और इसे अब तक का सबसे बड़ा जीवन का सबूत माना जा रहा है। यह खोज उस सवाल को भी हवा देती है कि अगर ब्रह्मांड में जीवन है, तो हमने अब तक एलियंस क्यों नहीं देखे? डॉ. मधुसूदन का जवाब है कि अगर इस ग्रह पर जीवन मिला, तो शायद हमारी आकाशगंगा में जीवन हर जगह हो! डॉ. निक्कू मधुसूदन ने पहले के2-18बी ग्रह को खोजा , फिर रिसर्च में पता किया है कि इस ग्रह के वायुमंडल में हाइड्रोजन मौजूद है। इस ग्रह के वायुमंडल में भारी हाइड्रोजन पायी जाती है। रिसर्च के दौरान ये भी पता चला है कि इस ग्रह पर महासागर है। ऐसे में यहां जीवन की संभावना काफी है।

बता दें कि यह ग्रह पृथ्वी से 120 लाइट इयर दूर यानी 1.13 ट्रिलियन किलोमीटर दूर है। तारा के2-18 हमारे सूरज की तुलना में छोटा और नया है। इसकी मोटाई सूरज की 45 फीसदी और आयु लगभग पौने तीन अरब साल है। ध्यान रहे, हमारे सूरज की उम्र का हिसाब पांच अरब साल के आसपास

लगाया गया है। के2-18 की सतह का तापमान भी सूरज के आधे से थोड़ा ही ज्यादा है। इसका तकनीकी नाम ब्राउन ड्वार्फ है लेकिन अभी हम 'लाल तारा' ही चलाते हैं। इस तारे के इर्दगिर्द घूमने वाला भीतर से दूसरा ग्रह के2-18बी पृथ्वी से काफी बड़ा है। इसकी त्रिज्या पृथ्वी की ढाई-तीन गुनी है। इस हिसाब से इसका वजन पृथ्वी का 20-25 गुना होना चाहिए था, बशर्ते इसकी बनावट पृथ्वी जैसी ही होती। लेकिन वजन में यह पृथ्वी का साढ़े आठ से दस गुना ही है। इससे एक बात साफ है कि इसका घनत्व पृथ्वी से काफी कम है। ऐसा वहां लोहा कम होने के चलते भी हो सकता है और ग्रह में द्रव-गैस ज्यादा होने से भी। एक अच्छी बात इस ग्रह के साथ यह है कि यह अपने तारे के गोल्डिलॉक जोन में पड़ता है। यानी पानी वहां द्रव अवस्था में मौजूद हो सकता है। ग्रह का औसत तापमान 23 डिग्री से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच होने का अनुमान लगाया गया है। यह खुद में एक आश्चर्यजनक बात ही है क्योंकि अपने तारे के इर्दगिर्द इसकी कक्षा हमारे सौरमंडल में बुध ग्रह की तुलना में आधी से भी छोटी है। डॉ मधुसूदन के अनुसार समुद्र की सबसे आम वनस्पति और समुद्री खाद्य श्रृंखला की बुनियाद समझे जाने वाले फाइटोप्लैंक्टन द्वारा उत्सर्जित कुछ गैसें पृथ्वी के वातावरण में जिस अनुपात में पाई जाती है, च2-18बी पर इनकी उपस्थिति उसकी कम से कम हजार गुना प्रेक्षित की गई है। तो क्या एक सुदूर तारे के इर्दगिर्द घूम रही इस दुनिया में समुद्रों की भरमार है, जहां समुद्री जीवन की नींव के रूप में फाइटोप्लैंक्टन की फसलें लहलहा रही हैं? बता दें कि भारत में 1980 में जन्मे, डॉ. मधुसूदन ने वाराणसी स्थित आईआईटी, बीएचयू से बीटेक की डिग्री हासिल की।

बाद में उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मास्टर डिग्री के साथ-साथ पीएचडी भी की। साल 2009 में उनकी पीएचडी थीसिस हमारे सौर मंडल के बाहर के ग्रहों के वायुमंडल का अध्ययन करने के बारे में थी, जिन्हें एक्स्ट्रासोलर ग्रह कहा जाता है। कुल मिलाकर अब वैज्ञानिकों की नजर इस ग्रह पर आ टिकी है। इस ग्रह पर गहरा शोध किया जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में जैसे-जैसे इस ग्रह के रहस्य से पर्दा उठेगा, कई हैरान कर देने वाले खुलासे वैज्ञानिक कर सकते हैं।

त्रिभाषा फार्मूला विरोध की संकीर्ण राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

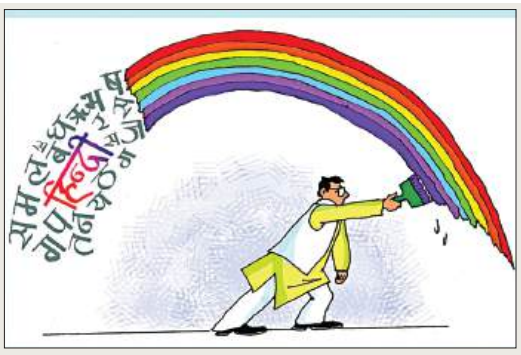

हिंदी हमारे देश की राजभाषा का नाम है, पर इसे एक और अर्थ में भी समझा जा सकता है- वह अर्थ है हिंदी यानी हिंदोस्तां का। अल्लामा इकबाल ने लगभग सवा सौ साल पहले लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा' आज़ादी की लड़ाई के दौरान ही हमारे स्वतंत्रता-सेनानियों ने हिंदी को पूरे देश की भाषा के रूप में मान्यता दे दी थी। फिर, जब संविधान के निर्माण का कार्य चल रहा था तो इस आधार पर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारे जाने की बात कही गई थी कि देश में हिंदी को समझने वालों की संख्या अन्य सभी भारतीय भाषाओं से अधिक है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं में हिंदी की वकालत करने वाले मुख्यत: अहिंदी भाषी नेता ही थे। हिंदी को राजभाषा घोषित किये जाने की मांग करने वालों में सबसे पहला नाम दक्षिण भारतीय विद्वान गोपालस्वामी अय्यंगर का है। उन्होंने ही गुजराती भाषी के.एम. मुंशी के साथ मिलकर इस आशय का प्रस्ताव संविधान सभा में रखा था, जिसे भरपूर समर्थन मिला।

जब हम आज़ाद हो गये तो यह बात एक स्वीकृत सत्य की तरह मान ली गयी थी कि अब देश का काम देश की भाषा-हिंदी में होगा। पर इसी बीच दक्षिण और उत्तर के नाम पर हिंदी को लेकर विवादास्पद बातें भी होने लगीं। दक्षिण में, विशेष कर तमिलनाडु में, यह भावना उठने लगी कि हिंदी के माध्यम से उत्तर भारत दक्षिण भारत पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लेगा। बात भले ही सांस्कृतिक आधिपत्य के रूप में की जा रही थी, पर यह भी सत्य है कि कथित 'हिंदी साम्राज्यवाद' की आशंका के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक वर्चस्व की आशंका भी थी। हालांकि ऐसा कुछ था नहीं। हिंदी की स्वीकार्यता की बात का आधार यही तथ्य था कि देश में हिंदी बोलने-समझने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। हिंदी को राजभाषा बनाने का कदापि यह अर्थ नहीं था कि हिंदी देश की अन्य भाषाओं से कहीं बेहतर या ऊंची भाषा है। आज भी यदि ऐसी कोई भावना किसी में है, तो वह ग़लत है। हिंदी देश की, विशेष कर दक्षिण भारत की, भाषाओं से तुलना में कहीं कम समृद्ध है। हिंदी को तो मुख्यत: इसलिए स्वीकारा गया कि इससे देश भर में संवाद कुछ आसान हो जायेगा।

हिंदी वालों को, और गैर-हिंदी भाषियों को यह बात समझनी ही होगी कि हिंदी देश की बाकी भाषाओं की बड़ी बहन नहीं, एक सखी है। दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर होते हैं। इसी भावना के साथ यह माना गया कि देश के लोगों को तीन भाषा तो सीखनी ही चाहिए- एक अपनी मातृभाषा, दूसरी अंग्रेजी, और तीसरी देश की कोई अन्य भाषा। हमारी नयी शिक्षा-नीति में भी यही सोचकर तीन भाषाओं की बात कही गयी। आशा और अपेक्षा यह थी कि दक्षिण वाले हिंदी सीख लेंगे, और उत्तर वाले कोई भारतीय भाषा। पर हिंदी वालों से यहां जानबूझकर या अनायास ही एक चूक हो गयी-उन्होंने तमिल या मलयालम या बांग्ला या कन्नड़ आदि भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखने के बजाय संस्कृत को सीखना ज़्यादा पसंद कर लिया। संस्कृत पढ़ने में कुछ ग़लत नहीं है, पर यह उस अपेक्षा के अनुरूप नहीं था जिसे आधार बनाकर त्रिभाषा फार्मूला लागू किया गया था।

इसी अपेक्षा की पूर्ति के लिए नयी शिक्षा-नीति में त्रिभाषा फार्मूला स्वीकारा गया। पर, दुर्भाग्य से अब भी दक्षिण, पूर्व या पश्चिम भारत वालों में से कुछ लोगों को इसमें 'हिंदी साम्राज्यवाद' की गंध आ रही है। इस सोच का नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में दिख रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने नयी शिक्षा- नीति में किये गये प्रावधान को स्वीकारते हुए स्कूली स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य बनाया है। यह अनिवार्यता कुछ तत्वों को खल रही थी। यह तत्व अब भी इस गलतफ़हमी के शिकार हैं कि इस शिक्षा-नीति से उनकी मातृभाषा को नुकसान पहुंचाने का कोई षड्यंत्र रचा जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि हिंदी सीखने-सिखाने का विरोध करने वाले यह तत्व अंग्रेजी को त्रिभाषा फार्मूले का हिस्सा बनने पर चुप हैं। बिना किसी ठोस आधार के उन्होंने एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, को तो सहज स्वीकार लिया है, पर अपने ही देश की एक भाषा, हिंदी, को स्वीकारने को वे 'थोपा जाना' मान रहे हैं। हकीकत यह है कि कल भी हिंदी का विरोध करने के पीछे राजनीतिक स्वार्थ थे, और आज भी राजनीतिक स्वार्थ ही महाराष्ट्र समेत देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध करवा रहे हैं। अंग्रेजी विश्व की एक प्रमुख भाषा है, इसमें कोई संदेह नहीं। अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से सीखना-समझना कहीं ग़लत नहीं है। पर इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, या नहीं किया जाना चाहिए, कि अंग्रेजी सारी दुनिया की नहीं, दुनिया के कुछ ही देश की भाषा है। जापान, जर्मनी, फ्रांस, चीन, रूस जैसे न जाने कितने ही देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अनुचित माना है। अपनी भाषा में काम-काज करने की उनकी जिद से उन्हें कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उल्टे उन्होंने इस ज़िद को अपनी अस्मिता के संदर्भ में समझा है। होना यह चाहिए था कि महाराष्ट्र में अंग्रेजी की अनिवार्यता पर सवाल किया जाता। विश्व-व्यापार के लिए अथवा अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से यदि अंग्रेजी सीखने की ज़रूरत है तो उनसे जुड़े लोग यह भाषा सीख लेंगे-हर भारतीय को इसे सीखने की विवशता क्यों? इसलिए, विरोध यदि ज़रूरी है तो वह अंग्रेजी की अनिवार्यता का होना चाहिए। हिंदी का नहीं। महाराष्ट्र में हिंदी सीखने-सिखाने के इस विरोध के पीछे बच्चों पर भाषाई-बोझ का तर्क भी दिया जा रहा है। मुख्य बात तो यह है कि भाषा बच्चों पर बोझ नहीं होतीं, बड़ों की तुलना में वह कहीं अधिक आसानी से भाषाएं सीख लेते हैं।

ड्रिंक छोड़ने का आयुर्वेदिक उपचार

जो लोग शराब पीने से दुखी हैं और इससे छुटकारा पाने का तरीका ढूंढ रहे हैं। उनके लिए यह आयुर्वेदिक उपचार काफी मददगार साबित हो सकती है। भारत में शराब पीने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। शराब सिर्फ आपके स्वास्थ्य को ही खराब नहीं करती, बल्कि अपराध और घरेलू हिंसा को भी बढ़ावा देती है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि अधिकतर लोग चाहकर भी शराब की लत नहीं छोड़ पाते हैं। मगर अब ऐसे लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। शराब की लत छुड़ाने वाली असरदार आयुर्वेदिक उपचार है। इस आयुर्वेदिक उपचार की खासियत यह है कि शराबी अपने आप ही इस गंदी आदत को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाता है। किसी शराबी को सिर्फ 10 दिन तक यह खिलाएं, और वह जीवन भर के लिए शराब पीना छोड़ देगा। शराब की लत से उबरना संभव है, बस आपको सही मार्गदर्शन और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। इन घरेलू उपचारों से एक नया जीवन शुरू करें और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं।

तुलसी के पत्ते और अदरक का रस

औषधीय उपयोग की दृष्टि से तुलसी की पत्तियां ज्यादा गुणकारी मानी जाती हैं। इन पत्तियों को आप सीधे पौधे से तोड़कर खा सकते हैं। इन पत्तियों में कफ-वात दोष को कम करने, पाचन शक्ति एवं भूख बढ़ाने और रक्त को शुद्ध करने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा तुलसी के पत्ते बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण आदि के इलाज में बहुत फायदेमंद हैं। तुलसी के पत्ते और अदरक का रस मिलाएं और इसे हर सुबह पिएं। यह मिश्रण शरीर को विषमुक्त करता है और शराब की लत से लड़ने के लिए मानसिक शक्ति प्रदान करता है।

आंवला और शहद

सेहत के लिए शहद और आंवला बेहद ही हेल्दी माने गए हैं। इन दोनों में कई तरह के न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं। आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है, तो शहद में आयरन होता है। इन दोनों का सेवन जब साथ किया जाए, तो इसके औषधीय गुण बढ़ जाते हैं और शरीर में जाकर दोगुना लाभ पहुंचाते हैं। आंवला का रस और शहद मिलाकर रोज सुबह-शाम पियें। आंवला शरीर को पुनर्जीवित करता है और शहद इसका स्वाद बढ़ाता है, जिससे इसे रोजाना सेवन करना आसान हो जाता है। और यह शराब को छोड़ने में मदद करता है। इसके अलावा, ये पाचन शक्ति को मजबूत बनाते हैं। पीलिया, अस्थमा जैसे रोगों में भी इनका सेवन करना लाभ पहुंचा सकता है।

व्यायाम और ध्यान

प्रतिदिन व्यायाम और ध्यान के लिए कुछ समय निकालें। यह मानसिक शांति और आत्म-नियंत्रण बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा शराब छोड़ते समय अपने आस-पास सकारात्मक वातावरण बनाए रखें। परिवार और मित्रों से सहयोग मिलने से यह प्रक्रिया आसान हो सकती है। यदि इस उपाय का सही तरीके से पालन किया जाए तो 10 दिनों के भीतर शराब की लत से छुटकारा पाना संभव है। हालांकि, प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक स्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए इस उपाय के साथ धैर्य रखना महत्वपूर्ण है।

अजवाइन और मेथी के बीज का सेवन

अजवाइन और मेथी के बीज को बराबर मात्रा में लेकर अच्छे से पीस लें। इस मिश्रण को रोज सुबह खाली पेट एक चम्मच खाएं। यह मिश्रण शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और शराब की लालसा को कम करता है। इसके लिए 5 ग्राम सोंठ + 5 ग्राम अजवाइन +5 ग्राम जीरा इन तीनों चीजों को लेकर के रात को आप एक गिलास पानी के अंदर डुबो करके रखें और सुबह को उसे पानी को इतना उबालें कि कुछ देर बाद गिलास 1 कप पानी रह जाए फिर उसको छानने के बाद में उसमें आधा कटा हुआ नींबू डालने के बाद पिला दीजिए। आप उसको ये बोलकर भी पीला सकते हो कि ताकत का नुकसा है कमजोरी दूर करने के लिए या लिवर साफ के लिए टॉनिक है ये बता कर भी पिला सकते हो।

हंसना मना है

अभी सुबह न जाने किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पत्नी बोली-मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

हीरालाल ने कहा- मेरी पत्नी विवाह की वर्षगांठ जन्मतिथि के रूप में मनाती है। दोस्त बोला- और आप? हीरालाल-अपने जिंदगी की पुण्यतिथि के रूप में।

हवाई जहाज उड़ते ही एयर होस्टेस ने बल्लभ जी को कुछ टॉफी जैसी दवा लाकर थमा दी। ये किसलिए हैं? 'ये वायुयान नीचे उतरते वक्त आपके कानों की मदद के लिए हैं, तकि कानों में वायु दबाव स्थिर रहे। जब हवाई जहाज उतरा तो उसने बल्लभ जी से पूछा-'क्या टाफियों ने कुछ मदद की? 'कुछ विशेष नहीं। हां, जरा ये तो बताइए कि इन्हें कान में से कैसे निकालूं।

टीचर- होम वर्क क्यों नहीं किया? स्टूडेंट- सर, लाइट नहीं थी। टीचर- तो मोमबत्ती जला लेते। स्टूडेंट- सर, माचिस नहीं थी। टीचर- माचिस क्यों नहीं थी? स्टूडेंट- पूजा घर में रखी थी। टीचर- तो वहां से ले आते स्टूडेंट- नहाया हुआ नहीं था, टीचर- नहाया क्यों नहीं था? स्टूडेंट- पानी नहीं था सर। टीचर- पानी क्यों नहीं था? स्टूडेंट- सर मोटर नहीं चल रही थी। टीचर- मोटर क्यों नहीं चल रही थी? स्टूडेंट-बताया तो था लाइट नहीं थी!

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक समय की बात है, जब शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

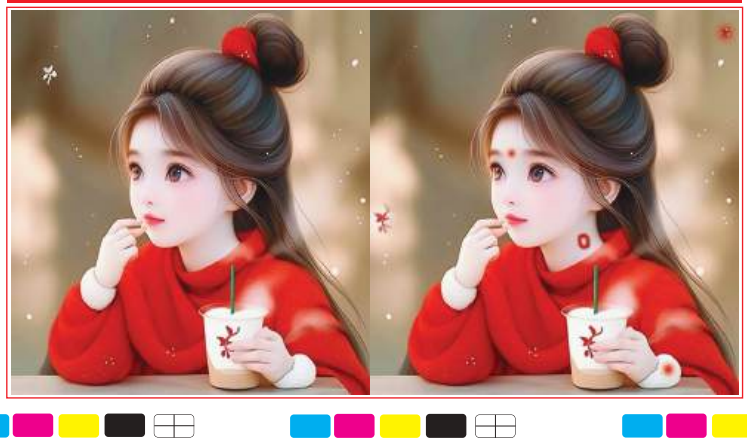

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

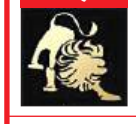

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

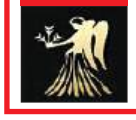

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला

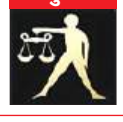

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

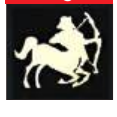

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन

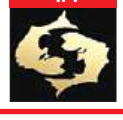

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी फिल्में मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं : विवेक

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश है। अब फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस आतंकी हमले के बाद सांप्रदायिक हिंसा की मानवीय कीमत पर एक लंबा नोट सोशल मीडिया पर साझा किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी फिल्में सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उससे काफी बढ़कर हैं। फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने इस हादसे के बाद सांप्रदायिक हिंसा को लेकर हुए खालीपन पर लिखा, सांप्रदायिक हिंसा सिर्फ लाशों से ज्यादा कुछ छोड़ जाती है। यह एक खालीपन छोड़ जाती है। घर राख में बदल गए, जिंदगियां बिखर गईं, परिवार फिर कभी एक नहीं हो पाए। दर्द सिर्फ शारीरिक नहीं है, यह एक धीमा, दर्दनाक दुख है। एक मां अपने बेटे की तलाश कर रही है। एक आदमी जिसके हाथ कभी प्रार्थना करते थे, अब गुस्से से कांप रहा है। यह धार्मिक कट्टरवाद की मानवीय कीमत है, जहां विश्वास और आस्था हथियार बन जाती है और मतभेद मौत की सजा बन जाते हैं। फिल्म निर्माता ने आगे लिखा, मैं अपनी कला का इस्तेमाल जागरुकता फैलाने के लिए करता हूं। क्योंकि कला सत्य से परेशान नहीं होती। मेरी फिल्में मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं। वे असहज सच्चाइयों का सामना करने, महत्वपूर्ण सवाल उठाने और दर्शकों को करुणा और मानवता की कमी की याद दिलाने का एक तरीका हैं। मेरी फिल्में सिर्फ कहानियां नहीं हैं, वे ऐसी जगहें हैं जहां अनुपस्थिति उपस्थिति से ज्यादा जोर से बोलती है। दया, तर्क और साधारण मानवता की गैरमौजूदगी है। मैं उस अनुपस्थिति से फिल्में बनाता हूं। चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि याद दिलाने के लिए। हमने जो खोया है, उसे आईना दिखाने के लिए। ये आरामदायक फिल्में नहीं हैं। ये ऐसी नहीं हैं। वे ऐसे सवाल उठाती हैं जिन्हें हम टालना चाहते हैं। हम क्या बन रहे हैं? पैटर्न देखने से पहले और कितने जीवन जीने हैं? अपनी फिल्मों को एक विरोध बताते हुए विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा, मेरा सिनेमा विरोध है। यह शोक है। यह स्मृति है। क्योंकि जब हम अंधेरे का सामना करते हैं, तभी हम इसके खिलाफ आवाज उठा सकते हैं।

इमानवी को यूजर्स ने किया ट्रोल तो एक्ट्रेस बोलीं- मैं पाकिस्तानी नहीं हूं

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर लोग भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया दे रहे थे, लेकिन कुछ यूजर्स ने इस मौके का गलत फायदा उठाते हुए नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया। खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े सेलिब्रिटीज को निशाना बनाया गया और उन पर कई आरोप लगाए गए। इमानवी इस्माइल, जो प्रभास की आगामी फिल्म फौजी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं, वह भी इस ट्रोलिंग का शिकार हुईं। कुछ यूजर्स ने उन पर पाकिस्तानी सेना से संबंध होने का आरोप लगाया और फिल्म से हटाने की मांग तक कर डाली। इन अफवाहों और नफरत भरे कमेंट्स से आहत इमानवी ने एक लंबी पोस्ट साझा कर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, सबसे पहले मैं पहलगाम में हुई दुखद घटना के लिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। मेरा दिल उन सभी लोगों के लिए दुखी है जिन्होंने अपनी जान और अपनों को खोया। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तानी सेना से जुड़ी हूं, जो पूरी तरह से झूठ है। यह और कई अन्य झूठ ऑनलाइन ट्रोल्स ने फैलाए हैं, जिनका मकसद सिर्फ नफरत फैलाना है। उन्होंने लिखा, मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं, जो हिंदी, तेलुगु, गुजराती और अंग्रेजी बोलती हूं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ, जहां मेरे माता-पिता युवावस्था में कानूनी रूप से अमेरिका आए थे। जल्द ही वे अमेरिकी नागरिक बन गए। मैंने अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी की और कला के क्षेत्र में करियर बनाया, जिसमें मैं एक अभिनेत्री, कोरियोग्राफर और डांसर हूं। मेरे खून में भारतीय पहचान और संस्कृति गहरे तक बसी है और मैं इस माध्यम को एकता के रूप में इस्तेमाल करना चाहती हूं, न कि विभाजन के लिए। उन्होंने लिखा, जैसा कि हम इस दुखद नुकसान का शोक मना रहे हैं, आइए प्यार और एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें।

मर्दानी 3 में जानकी बनेंगी पुलिस

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने पुलिस का दमदार किरदार निभाया था। ये फिल्म काफी कामयाब रही थी। फिल्म की कामयाबी के बाद रानी मुखर्जी मर्दानी 2 में नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही। अब फैंस इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। साल 2024 में खबर आई कि फिल्म निर्माता मर्दानी 3 पर काम कर रहे हैं। पिंकविला की एक खबर के मुताबिक फिल्म मर्दानी 3 की शूटिंग इसी साल के शुरुआत में शुरू हो चुकी है। फिल्म अगले साल 2026 में होली के मौके पर रिलीज होगी। वेबसाइट के मुताबिक अभिनेत्री जानकी बोदीवाला भी फिल्म मर्दानी 3 में अहम किरदार अदा करेंगी। जानकी बोड़ीवाला ने फिल्म शैतान में अच्छा रोल निभाया था। इससे रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा प्रभावित हुए हैं, इसलिए उन्होंने जानकी बोदीवाला को फिल्म में अहम किरदार दिया है। वह फिल्म में एक पुलिस का किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है। खबर है कि मर्दानी 3 दोनों फिल्मों से जबरदस्त होगी। पहले की फिल्में सामाजिक मुद्दों पर आधारित थीं। उसी तरह यह फिल्म भी जरूरी सामाजिक मुद्दों पर होगी। जानकी बोदीवाला ने बॉलीवुड में शैतान फिल्म से डेब्यू किया था। इससे पहले वह गुजराती फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। अब वह बॉलीवुड में मर्दानी 3 में अहम रोल अदा करने वाली हैं। मर्दानी 3 यशराज फिल्म्स के बैनर तले रिलीज होने वाली है। इस बैनर तले चार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सैयारा 18 जुलाई, वार 2 दो अगस्त, अल्फा 25 दिसंबर और मर्दानी 3 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली हैं।

शुरू हो चुकी शूटिंग, साल 2026 में होली के मौके पर होगी रिलीज

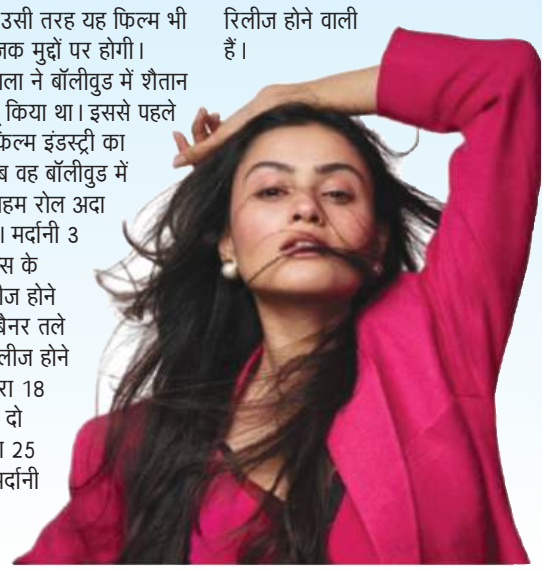

कुत्ते जैसा दिखता है ये जीव, होते हैं 8 पैर, देखते ही लगने लगेगा डर!

बत्री हार्वेस्टमैन आठ पैरों वाला एक बड़ा ही अजीबोगरीब जीव है। जिसका शरीर काले रंग का होता है, दो कान जैसे उभरे हुए होते हैं और चमकीले पीले धब्बे होते हैं, जो आंखों की तरह दिखते हैं। कुछ लोगों कहते हैं कि ये जीव मकड़ी के पैरों वाले कुत्ते जैसा दिखता है। हालांकि बत्री हार्वेस्टमैन मकड़ियां नहीं हैं, बल्कि वे अरचिन्ड हैं। इस जीव को देखते ही आपको डर लगने लगेगा। अब इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हो रही हैं। 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर इस जीव की तस्वीरों को @gunsnrosesgirlx नाम की यूजर ने पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, 'इक्वाडोर के अमेजन रेनफॉरेस्ट में एक अनोखा प्राणी है, जो मकड़ी जैसा दिखता है, शायद भेड़िए जैसा सिर वाला। जिसके पीले धब्बे 'नकली आंखें' हैं। यह वास्तव में एक बत्री हार्वेस्टमैन (मेटाग्रीन बाइकोलुमनाटा) है, एक प्रकार का अरचिन्ड, जिसे डैडी लॉन्गलेग्स के नाम से भी जाना जाता है।' एंड्रियास के द्वारा यूट्यूब पर अपलोड किए गए वीडियो में आप बत्री हार्वेस्टमैन जीव को देख सकते हैं। यह वीडियो उन्होंने इक्वाडोर के अमेजन रेनफॉरेस्ट में साल 2017 में बनाया था। iscoverwildlife.com की रिपोर्ट के अनुसार, बत्री हार्वेस्टमैन धीमी गति से चलने वाले अरचिन्ड होते हैं, जो रात में या सुबह और शाम को एक्टिव रहते हैं। दिन के दौरान, आप आम तौर पर इन्हें पेड़ों के तने पर या लट्ठों के नीचे आराम करते हुए पाएंगे। यह जीव मकड़ियों की तरह दिखता है, जो शिकारी होते हैं। वे मृत कीड़ों, पक्षियों को मल, सड़ते पौधों और कवक को खाते हैं। न्यूजवीक ने लिखा है कि बत्री हार्वेस्टमैन जहरीले नहीं होते हैं और मनुष्यों के लिए हानिरहित होते हैं। इस जीव के बारे में पहली बार 1959 में जर्मन जूलॉजिस्ट कार्ल फ्रेडरिक रोवर ने बताया था।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे मुश्किल डांस

रफ्तार देखकर चकरा जाएगा माथा!

इंसानों और मशीनों में एक बेसिक फर्क ये होता है कि इंसान कोई चीज़ भूल सकता है लेकिन मशीन की प्रोग्रामिंग अगर सेट हो गई तो ये वैसी की वैसी ही चलती रहेगी। इसमें गलती की गुंजाइश तब तक नहीं होती है, जब तक कोई टेक्निकल खराबी न हो। सोशल मीडिया पर इस वक्त एक ऐसे डांस का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद आप थोड़ी देर के लि ये भूल जाएंगे कि इसमें दिख रहे लोग इंसान हैं या फिर कोई मशीन। दुनिया के सबसे ज्यादा मुश्किल डांस के तौर पर मशहूर ज़ौली डांस को आपने कभी न कभी तो ज़रूर देखा होगा। अगर नहीं देखा होगा तो आपने इसकी इंटेंसिटी के बारे में सुना ज़रूर होगा। इस डांस फॉर्म की खासियत ये है कि अगर आप इसे लगातार देखते रहे तो चक्कर जरूर आ जाएगा। दरअसल इस डांस में ज़बरदस्त रफ्तार होती है, जिसे देखने में ही माथा घूमने लगता है। अफ्रीका के इस ट्रेडिशनल डांस की खासियत ही ये है कि ये बहुत तेज़ी से किया जाता है। डांस करते वक्त चेहरे पर मास्क और कॉस्ट्यूम पहने एक कलाकार कमाल का डांस करता नजर आ रहा है। सिर से पांव पर रंगीन कपड़े, मास्क से ढका हुआ चेहरा और सिर पर अनोखा मुकुट पहनकर ये डांस परफॉर्म किया जाता है। इसमें परफॉर्मस बिजली जैसी रफ्तार से अपने पैर हिलाता रहता है और मूव करता है। वो इतनी जल्दी-जल्दी डांस करता है कि आपको स्टेप समझने का भी मौका नहीं मिलेगा। अफ्रीका के इस डांस को दुनिया का सबसे मुश्किल डांस माना जाता है।

ज़ौली अफ्रीका की एक लोकप्रिय संगीत और नृत्य शैली है। इसे पश्चिम अफ्रीका के कोटे डी आइवर के गुरो कबीले की ओर से परफॉर्म किया जाता है। इस डांस स्टाइल में अपने पैरों को एक रिदम में मूव किया जाता है। इस नृत्य विधा में संगीत के साथ तालमेल बिठाते हुए तेजी से चलने वाले पैरों के साथ पूरे शरीर को संतुलित करना भी अपने आपमें एक कला है। इससे जुड़े कलाकार सात अलग-अलग तक के मुखौटे पहनते हैं।

पहलगाम में दिखी सरकार की लापरवाही : तेजस्वी

राजद ने आतंकी हमले पर उठाये सवाल

» कहा- जांच की जाए किसकी नाकामी से हुई यह घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पहलगाम ने हुए आतंकी हमले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह घटना काफी दुखद है। लेकिन साथ ही उन्होंने लापरवाही का भी आरोप लगाया। तेजस्वी ने कहा कि आतंकी हमले में मारे गए शहीद नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की बहन सृष्टि का कहना है कि विनय नरवाल गोली लगने के बाद भी डेढ़ घंटे तक जिंदा रहा। लेकिन कोई मदद के लिए नहीं आया। अब सवाल उठता है कि जहां पर 2000 पर्यटक मौजूद थे तो उनकी सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए? उनके लिए एक भी सुरक्षा कर्मी वहां मौजूद क्यों नहीं था? पहलगाम काफी है सिक्योरिटी जोन में आता है।

गोली लगने के डेढ़ घंटे तक वह जवान जीवित था तो उनकी सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए? उनके लिए एक भी सुरक्षाकर्मी मौजूद क्यों नहीं था? जबकि सरकार को पता था कि 2014 से अब तक 3982 आतंकी घटनाएं हुई, जिसमें 413 आम लोगों की हत्या हुई है और 630 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। इस गंभीर लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा? तेजस्वी ने कहा पुलवामा की घटना की सबसे बड़ी घटना मानी जाती है जिसमें हमारे कई जवान शहीद हो गए। उस घटना में 200-300 किलो आरडीएक्स वहां कैसे पहुंचा उस जांच का क्या हुआ? उस मामले में कौन था दोषी? इसका कौन जवाब देगा? तेजस्वी ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के लिए देश की अधिकांश एजेंसियों को पार्टियों के पीछे लगाती हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों के पीछे इन एजेंसियों को क्यों नहीं लगाते हैं? हम लोगों के पीछे कई एजेंसियां लगी हुई हैं लेकिन आतंकवादियों के पीछे कौन सी एजेंसी लगाई जाती है? अगर यह घटनाएं हो रही हैं तो फिर इंटेलिजेंस क्या कर रहा है?

विपक्ष के पीछे लगी एजेंसियों को आतंकवादियों के पीछे लगाए सरकार

नक्सलवाद की तरह आतंकवाद को करें खत्म : टीएस सिंहदेव

छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने बिलासपुर पहुंचकर कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद और राज्य की सड़कों की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सिंहदेव ने कहा कि सीमा पर आतंकवादी संगठन लगातार ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में आतंकी घटनाओं और आंकड़ों में कमी आई है, लेकिन यह सिलसिला पूरी तरह थमा नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने की मांग की, जैसा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए किया गया है। सिंहदेव ने पहलगाम हमले को अमानवीय, वीभत्स और निंदनीय करार देते हुए कहा कि यह देश में अस्थिरता और भाईचारे को तोड़ने की साजिश है। उन्होंने देशवासियों, सेना और सरकार के साथ एकजुटता जताते हुए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा जवाब देने की बात कही।

बिहार कांग्रेस को बड़ा झटका

» चार बार विधायक रह चुके तौसीफ आलम अब एआईएमआईएम के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। वफ्फ बिल पास होने के बाद से ही किशनगंज में राजनीतिक सरगर्मी तेज है। शुरूआती समय में जदयू के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। अब 4 बार विधायक रह चुके कांग्रेस विधायक तौसीफ आलम ने कांग्रेस को अलविदा कहते हुए एआईएमआईएम पार्टी का दामन थाम लिया है। इस बात की जानकारी तौसीफ आलम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी करते हुए दी है। तौसीफ आलम के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस को लगा बड़ा झटका लगा है।

कांग्रेस विधायक तौसीफ आलम ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट किया है। उस तस्वीर में एआईएमआईएम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के साथ हाथ मिलाते हुए दिख रहे है। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान और राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हसन भी शामिल भी दिख रहे हैं। जहां उन्होंने फेसबुक में पोस्ट करते हुए कहा कि देश के हालात देखते हुए एआईएमआईएम पार्टी जॉइन किया। हालाकि उनके एआईएमआईएम पार्टी में शामिल होने के अनुमान पहले से लगाए जा रहे थे। हाल में उन्होंने अपने प्रेस वार्ताओं में कांग्रेस छोड़ने का इशारा किया था। दरअसल कई राजनीतिक जानकारों का यह मानना है कि बहादुरगंज विधानसभा में वर्तमान में अभी राजद के विधायक अंजार नईमी है, और पार्टी इस बार गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ रही है। ऐसे में पार्टी से उन्हें टिकट मिलने की उम्मीद नहीं थी, इसीलिए उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़ दिया है औरएआईएमआईएम में शामिल हो गए है।

शाहनजफ रोड की ज्वाला बिल्डिंग में लगी आग

» धुएं में फंसी मां-बहन को बचाया

» मीडिया कर्मियों के साथ की गई अभद्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शाहनजफ रोड स्थित ज्वाला सहाय बिल्डिंग में स्थित पार्षद नागेंद्र सिंह चौहान के मकान में गुरुवार देर रात आग लग गई। लपट व धुआं निकलता देख घर में मौजूद महिलाओं ने दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने धुएं में फंसी पार्षद की मां समेत दो महिलाओं को बचाया। फिर एक घंटे में आग पर काबू पाया।

इस घर में उनकी 88 वर्षीय मां सुमन सिंह और बहन ऋतु सिंह रहती है। शार्ट सर्किट से एक कमरे में आग लग गई। आग के धुएं में

मां-बेटी फंस गई। उन्होंने किसी तरह डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद तत्काल हजरतगंज पुलिस और फायर स्टेशन से एफएसओ राम कुमार रावत टीम के साथ पहुंचे तो देखा कि धुएं के बीच बुजुर्ग महिला फंसी है। वहीं रेस्क्यू के दौरान मीडिया कर्मी कवरेज के लिए पहुंचे तो देखा बिल्डिंग के अंदर 10 से 15 लड़के नशे की हालत में मौजूद थे। वह मीडिया कर्मी से अभद्रता कर कैमरा छीनने लगे। इस पर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन सभी को हटाया तो मामला शांत हुआ।

कल्चरल क्लब के समारोह में छात्रों ने मोहा मन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अशियाना लखनऊ के कल्चरल क्लब का उद्घाटन समारोह अत्यंत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिमांशु बाजपेई, प्रसिद्ध लेखक एवं दास्तानगो उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण से हुआ। प्राचार्य प्रो सुमन गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और क्लब के महत्व के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. स्मृति मिश्रा ने डॉ मधुमिता द्वारा रचित कल्चरल क्लब की प्रतिज्ञा सभी को दिलाई।

छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें संगीत, नृत्य और ढोलक पर जुगल बंदी शामिल थे। सांस्कृतिक क्लब के लोगो जो क्लब की पहचान और उद्देश्यों को दर्शाता है का विमोचन मुख्य अतिथि हिमांशु बाजपेई एवं प्राचार्य प्रो सुमन गुप्ता द्वारा किया गया। महाविद्यालय के कल्चरल क्लब के लोगो के विजेताओं, गरिमा शर्मा (प्रथम), पुनीत कौर (द्वितीय) और अनन्या (तृतीय)को भी हिमांशु बाजपेई द्वारा पुरस्कृत किया गया। हिमांशु बाजपेई ने अपने संबोधन में छात्रों को संस्कृति के महत्व और सांस्कृतिक क्लब की भूमिका पर प्रकाश डाला, और उन्हें अपनी संस्कृति को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हिमांशु बाजपेई जी, दास्तानगो एवं लेखक, जो लखनऊ की संस्कृति और समाज को अपनी कहानियों और लेखों के माध्यम से जीवंत करते हैं, ने अपने ओज पूर्ण वक्तव्य एवं काकोरी एक्शन की वर्षगांठ वर्ष के उपलक्ष्य पर एक किस्सा प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

सनोबर हैदर ने सांस्कृतिक क्लब के उद्देश्यों पर डाला प्रकाश

क्लब प्रभारी डॉ. सनोबर हैदर ने सांस्कृतिक क्लब की संकल्पना और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जिसमें संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को बढ़ावा देने और छात्रों की रचनात्मकता को विकसित करने पर जोर दिया।

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगा हैदराबाद-चेन्नई

» दोनों टीमें छह-छह मैच हारने के बाद अंक तालिका में नौवें और 10वें पायदान पर हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल का 18वां सत्र कुछ खास नहीं रहा है। दोनों टीमें छह-छह मैच हार के बाद अंक तालिका में क्रमशः नौवें और 10वें पायदान पर हैं। आज चेन्नई में सीएसके और हैदराबाद प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए उतरेंगी।

चेन्नई की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए जाना जाता है लेकिन इस बार उसे यहां मुंह की खानी पड़ रही है। उसकी टीम अभी तक यहां के विकेट का सही अनुमान लगाने में नाकाम रही है। चेन्नई ने स्पिनर नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा।

वहीं सनराइजर्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उसकी टीम ने भी शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे अपनी अति आक्रामकता भारी पड़ने लगी। पिछले सत्र में उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की विस्फोटक सलामी जोड़ी इस बार नहीं चल पा रही है जिससे टीम के मध्य क्रम की कलई भी खुल गई है। उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

चिन्नास्वामी में खुला आरसीबी की जीत का खाता

बंगलुरू। विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हरा दिया। गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। यह आरसीबी का इस टीम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में राजस्थान की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 194 रन ही बना सकी। उनके लिए यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। वहीं, आरसीबी के लिए हेजलवुड ने चार विकेट झटके। अपने घरेलू मैदान पर आरसीबी ने सत्र की पहली जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने चिन्नास्वामी में तीन मुकाबला गंवाए थे।

बीजेपी नेता निशिकांत दुबे का दोगला चरित्र सामने आया !

कश्मीर में पार्टी में भारी सुरक्षा लेने वाले सांसद आम लोगों को सीखा रहे कलमा

» बीजेपी नेता निशिकांत दुबे के पोस्ट पर बवाल

» लोग बोले- हजारों लोगों की सुरक्षा के लिए एक सिपाही नहीं, सांसद के लिए भारी भरकम सुरक्षा व्यवस्था

» दुबे की पोस्ट पर अभिनेत्री स्वरा ने भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के पोस्ट कि मै कलमा सीख रहा हूं न जाने के कब जरूरत पड़ जाए को लेकर उन पर चारों तरफ से हमला होने लगा है। सोशन मीडिया से लेकर आम से लेकर खास तक ने उनके इस पोस्ट पर उन्हें आड़े हाथों लिया है। फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने कहा है कांग्रेस की 67 साल की सरकार में ऐसा नहीं करना पड़ा जबकि 2014 के बाद ये क्या हाल हो गया है कि एक सासंद को ऐसा करना पड़ रहा है। उधर विपक्ष के साथ भाजपा के अंदर खाने निशिकांत के एक भव्य निजी पार्टी को लेकर भी वह सबके निशाने पर हैं।

पहलगाम आतंकी हमले की छाया में गुलमर्ग में करीब 10 दिन पहले भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे के एक हाई-प्रोफाइल पारिवारिक समारोह की चर्चा भाजपा हलकों में हो रही है। दुबे ने गुलमर्ग में अपनी 25वीं शादी की सालगिरह मनाई और इसमें सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया था। कार्यक्रम स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी, लेकिन जम्मू-कश्मीर में निजी कार्यक्रमों में वीआईपी लोगों की सुरक्षा के पहलू पर भाजपा हलकों में चर्चा हो रही है। लोगों को जब इस पार्टी की जानकारी मिली तो वह सांसद पर थू-थू कर रहे है। लोग कह रहें हैं कलमा पढ़ने वाले भाजपा सांसद का दोहरा चरित्र सामने आग गया है। सांसद की पार्टी की सुरक्षा में दर्जनों सुरक्षाकर्मी तैनात हैं जबकि कश्मीर में घूमने आए पर्यटकों को सुरक्षा को ताक पर रख दिया गया है। वहीं दुबे ने स्वरा की पोस्ट को टैग करते हुए लिखा, धर्म परिवर्तन करने वाले मुल्ले भी ज्ञान बांट रहे हैं।

गुलमर्ग में मनाई थी शादी की भव्य 25वीं सालगृह, जुटे थे बड़े-बड़े लोग

22 अप्रैल केहमले से पहले भाजपा के बड़बोले सांसद निशिकांत दुबे ने कश्मीर के गुलमर्ग में अपनी शादी की 25वीं सालगृह मनाई थी। इस भव्य और निजी कार्यक्रम में भाजपा के साथ-साथ कई सियासी दलों के नेता मौजूद थे। आम लोगों के की सुरक्षा में एक सिपाही न देने वाले सरकार ने उस कार्यक्रम में भारी भरकम सुरक्षा की व्यवस्था की थी। वहीं पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद के घटनाक्रम ने भाजपा के संगठनात्मक चुनावों पर अस्थायी रोक लगा दी है। न केवल इसलिए कि नेता चर्चा और रणनीति बैठकों में व्यस्त हैं, बल्कि पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि हत्याओं की छाया में कुछ दिनों तक कोई नई घोषणा या नियुक्ति नहीं होगी। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में नए राज्य अध्यक्षों का चुनाव संपन्न होने की उम्मीद है, इसलिए संपूर्ण संगठनात्मक पुनर्गठन में और देरी होने की संभावना है।

आम से लेकर खास लोगों ने आड़े हाथों लिया

सांध्य दैनिक 4PM

स्वरा भास्कर बोलीं- 2014 की असली आजादी के बाद क्या हाल हो गया

बीजेपी नेता की पोस्ट को री पोस्ट करते हुए स्वरा भास्कर ने तंज कसा है। स्वरा ने अपनी पोस्ट में लिखा, बताओ... 67 साल के ज्यादा कांग्रेस सरकार में ये ना करना पड़ा..। 2014 की असली आजादी के बाद क्या हाल हो गया..। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं। वे अक्सर देश के मुद्दे पर बात करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक्स पर बीजेपी नेता निशिकांत दुबे द्वारा कलमा सीखाने की पोस्ट पर निशाना साधा। एक्ट्रेस ने लिखा कि 2014 की असली आजादी के बाद क्या हाल हो गया। बता दें कि बीजेपी नेता निशिकांत दुबे ने पहलगाम हमले में कलमा ना पढ़ने और निर्दोष लोगों के मारे जाने को लेकर एक्स पर एक पोस्ट की थी. उन्होंने लिखा था, अशहदु अल्लाह इल्लाह इल्लल्लाहु वह दहु ला शरी-क लहू व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु आजकल कलमा सीख रहा हूं, पता नहीं कब जरुरत पड़े।

बहराइच में दर्दनाक हादसा

राइस मिल का ड्रायर फटने से पांच मजदूरों की दर्दनाक मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। बहराइच जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा स्थिति रजगढिया राइस मिल में ड्रायर फट गया। इससे काम कर रहे पांच मजूदरों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कन्नौज के गडवना सौर्य निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश कुमार (35), श्रावस्ती के सिरसिया निवासी जहूर (50) व बिहार के बिहारीगंज मदेहपुरा निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है। वहीं सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में जारी है।

दर्दनाक हादसे की सूचना पर डीएम मोनिका रानी, एसपी रामनयन सिंह, एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा समेत आला अधिकारी इमरजेंसी पहुंचे है। डीएम मोनिका रानी की मौजूदगी में घायल सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मिल में एक एंगल टूट गया था जिसकी वेल्डिंग हो रही थीं। इस दौरान चिंगारी गिरने से धान में आग लग गई। आग लगने के साथ ही जोरदार धमाका हुआ और सब तरफ धुआं धुआं हो गया।

विपक्ष सरकार के हर कदम के साथ हैं : राहुल गांधी

» पहलगाम आंतकी हमले की एकसुर में की गयी निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। राहुल ने संवाददाताओं से कहा, सभी दलों ने (पहलगाम हमले की) एक स्वर में निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए समर्थन दिया।

सरकार ने सर्वदलीय बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को पहलगाम आतंकवादी हमले की जानकारी दी और उनके विचार सुने। सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश मंत्री निर्मला सीतारमण और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीरीजू बैठक में मौजूद थे। बैठक में रास में सदन के नेता नड्डा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोस में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे।

ऐसे हमलों और इन्हें बढ़ावा देने वालों के खिलाफ एकजुट हों लोग : विजयन

केरल के सीएम पी विजयन ने कहा हमारा दुख इस बात से और बढ़ गया है कि वहां जान गंवाने वालों में एक केरलवासी भी है। हम मृतक एन रामचंद्रन के परिजनों के दुख में शामिल हैं।' विजयन ने कहा कि सभी को ऐसे हमलों और इन्हें बढ़ावा देने वाले नफरत भरे प्रचार के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, "आइये हम इस दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें कि पहलगाम जैसी घटना दोबारा नहीं होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, विजयन ने कहा कि कश्मीर से दिल्ली आने वालों के लिए आगे की यात्रा के वास्ते टिकट बुकिंग सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई। विजयन ने कहा कि इस तरह की घटना दोबारा नहीं होने देनी चाहिए क्योंकि यह मानवता पर हमला है।

दिल्ली पुलिस ने मेधा पाटकर को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को गिरफ्तार किया है। साकेत कोर्ट ने बुधवार को ही मेधा पाटकर के खिलाफ गैर-जमानती धारा के तहत वारंट जारी किया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मेघा पाटकर को आज साकेत कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एलजी वीके सक्सेना ने 23 साल पहले गुजरात में एक एनजीओ प्रमुख रहने के दौरान यह मामला दर्ज कराया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 70 वर्षीय पाटकर को मानहानि के मामले में दोषी ठहराया था।

नए नगर आयुक्त ने शहर में घूम कर जाना हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार की सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन, वेंडिंग जोन, और अन्य नगर निगम गतिविधियों का जायजा लिया। उनके इस निरीक्षण का उद्देश्य शहर के विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता की समीक्षा करना था, ताकि शहर की सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। नगर आयुक्त ने सुबह 06:15 बजे ज़ोन-4 के गोमती नगर स्थित विराम खंड-5 के पास नाले की सफाई का निरीक्षण किया। यहां नालियों की सफाई की प्रक्रिया को देखा और कार्यों की निगरानी के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश भी दिए।

» गौरव कुमार ने बढ़ाए सुधार की ओर कदम

» लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई कार्य सही तरीके से और समय पर पूरे हों। इसके बाद, नगर आयुक्त ने सुबह 06:40 बजे जोन-4 के विनीत खंड-6 स्थित पोर्टेबल कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कूड़े के संग्रहण और ट्रांसफर के कार्य का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। ट्रांसफर स्टेशन पर कार्य की गति और गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया। सुबह 06:59 बजे नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण किया। इस सेंटर में पुनर्नवीनीकरण के लिए सामग्री की छंटाई की जाती है। उन्होंने वहां के कार्यों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आदेश दिए कि छंटाई प्रक्रिया और भी बेहतर की जाए। इसके बाद,गौरव कुमार ने सुबह 07:15 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सामने स्थित वेंडिंग जोन का निरीक्षण किया। इस जोन में सड़क पर ठेले, खोमचे आदि लगाने वाले व्यापारियों को निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित किया गया है।

जोनल अधिकारी ने लायन सिक्योरिटी पर कार्यवाही के दिए निर्देश

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के अंतर्गत जोन 6 में जोनल अधिकारी मनोज यादव द्वारा आज प्रातःकाल सफाई संबंधित महत्वपूर्ण निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्ग पर सफाई कार्यदायी संस्था लॉयन सिक्योरिटी के कुछ कर्मचारी अवैध रूप से ठेले लगाकर कूड़ा बीनते हुए पाए गए। जोनल अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर उपस्थित सफाई एवं खाद्य निरीक्षक रामजीत पांडेय को निर्देश दिए कि सभी अवैध ठेलों को जप्त किया जाए और इस अवैध कार्य में लिप्त लायन सिक्योरिटी के समस्त कर्मियों को तत्काल हटाया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।